

AK. 1, 1, 5, 3. 3, 3, 7. TRIK. 3, 3, 306. H. 80. 249. an. 3, 482. MED. j. 73. श्रापयवचनादकिंसा प्रतीयते Nir. 1, 16, 7, 24. VS. Prāt. 1, 4. श्रापयः पु-
नर्मन्वाद्य ब्राह्मणानि च KAUC. 1. स्याच्छ्रापयपरः (राज्ञा) M. 7, 80. स्वाध्या-
यापयकार्षित MBh. 3, 4042. N. (BOPP) 12, 59. P. 4, 3, 120, Vārtt. 7. श्र-
धीती चतुर्धापयेषु DAÇAK. 140, 3. — Die Lexicographen: उपदेश Unter-
weisung TRIK. H. an. MED. कुल Geschlecht H. an. कुलक्रम Aufeinander-
derfolge der Geschlechter (oder Ueberlieferung aus einem Geschlecht in's
andere) ÇABDAR. im ÇKDR.

श्राम्वरीषयुत्रक m. die von den Ambarishaputra bewohnte Gegend
gaṇa राजन्यादि zu P. 4, 2, 53.

श्राम्वरु m. P. 8, 3, 97 (श्राम्ब + र्) ein Bewohner von Ambashṭha;
davon श्राम्वरु König der A. P. 4, 1, 171, Sch. AIT. Br. 8, 21. f. श्राम्वा P.
4, 1, 74, Sch.

श्राम्बिकेय metron. von श्राम्बिका gaṇa शुभ्रादि zu P. 4, 1, 123. ein
Bein. Dhṛtarāshṭra's TRIK. 2, 8, 13. MBh. 3, 253. 598. Kārttikeja's
ÇKDR. — Vgl. श्राम्बिकेय.

श्राम्बस (von श्राम्बस्) adj. wässrig, flüssig: सर्वमाम्बसमेवासीत्वं शौश्र
Matsjop. 43.

श्राम्बसिके (von श्राम्बस्) adj. im Wasser lebend P. 4, 4, 27. मत्स्यः Sch.
श्राम्भि patron. von श्राम्बस् gaṇa बाह्वादि zu P. 4, 1, 96.

श्राम्भणी s. u. 2. श्रम्भणा 2.

श्राम्भे Uṇ. 2, 17. m. der Mangobaum, *Mangifera indica* L. AK. 2, 4, 2,
14. H. 1133. Suçr. 1, 141, 13. 2, 479, 21. MBh. 1, 7584. 2, 703. 704. 3,
11567. N. 12, 3. R. 2, 33, 14. 94. 8. 3, 17, 7. ÇAK. 78, 16. Megh. 18. श्राम्बवण
n. ein Wald von Mangobäumen P. 8, 4, 5. DAÇ. 1, 7, 9. R. 1, 5, 12 (°वन).
n. die Frucht des Baumes, bekannt wegen ihres Wohlgeschmacks, Siddh. K.
251, a, 7. Suçr. 1, 210, 14. 74, 13. ÇAT. Br. 14, 7, 1, 41 (= Brh. A. R. Up. 4, 3, 36).

श्राम्बकूट (श्रा° + कूट) m. N. pr. eines Berges Megh. 17.

श्राम्बगन्धक (von श्राम्ब + गन्ध) m. N. einer Pflanze (समष्टिल) RĀGĀN.
im ÇKDR.

श्राम्बगुप्त (श्राम्ब + गुप्त) N. pr.; davon patron. श्राम्बगुप्तयनि oder श्राम्बगुप्ति
P. 4, 1, 157, Sch. 7, 1, 2, Sch.

श्राम्बपाली (श्रा° + पा°) N. pr. eines Frauenzimmers SCHIEFNER, Le-
bensb. 252. 288 (22. 55). Am ersten Orte: °पाला.

श्राम्बपेशी (श्रा° + पे°) f. ein Stück getrockneter Mangofrucht RĀGĀN.
im ÇKDR.

श्राम्बर्षेय (von श्राम्ब) adj. vom Mango kommend, aus dem Mango ge-
macht P. 4, 3, 144, Sch.

श्राम्बात m. N. eines Baumes, *Spondias mangifera*, ÇABDAR. im ÇKDR.
Die Frucht als Gewürz und medic. gebraucht Suçr. 2, 482, 11. 490, 10.
— Verwandt mit श्राम्ब; vgl. श्राम्बातक.

श्राम्बातक (von श्राम्बात) m. 1) dass. AK. 2, 4, 2, 8. H. 1152. MBh. 1, 7584.
3, 11567. R. 3, 17, 7. Suçr. 1, 210, 16. 156, 4. 2, 289, 9. 479, 21. 489, 6. — 2)

= श्राम्बावर्त RĀGĀN. im ÇKDR. — 3) N. pr. eines Berges R. 4, 44, 23, v. 1.
श्राम्बावती (von श्राम्ब) f. N. pr. einer Stadt (?) R. 4, 41, 14, v. 1.

श्राम्बावर्त (श्राम्ब + श्रावर्त) m. verdickter Mangosaft RĀGĀN. im ÇKDR.

श्राम्बिमन् m. nom. abstr. (?) von श्राम्ब (es ist vielleicht श्रम्ल und dem-
nach श्रम्लिमन् gemeint) gaṇa दृढादि zu P. 5, 1, 123.

श्राम्भेडित s. u. भेड् mit श्रा.

श्राम्भ्य n. = श्राम्भिमन् gaṇa दृढादि zu P. 5, 1, 123.

श्राम्ल (von श्रम्ल) m. f. (श्रा) n. *Tamarindus indica* ÇABDAR. im ÇKDR.
eine andere Pflanze (श्रीवल्ली) RĀGĀN. im ÇKDR.

श्राम्लवेतस m. = श्रम्ल° RĀGĀN. im ÇKDR.

श्राम्लिका f. 1) = श्रम्लिका 1. ÇABDAR. im ÇKDR. — 2) = श्रम्लिका 2.
RĀJAM. zu AK. 2, 4, 2, 24. ÇKDR.

श्राम्लिका f. = श्रम्लिका 2. Sch. zu AK. 2, 4, 2, 24. ÇKDR.

श्राप्ये (von इ mit श्रा) m. 1) *Anlauf, Eintreffen*: श्राप्ये वामस्य संगथे रयी-
णाम् RV. 2, 38, 10. श्रम्लस्याप्ये KHĀND. Up. 7, 9, 1. — 2) *Einkünfte, Ein-
kommen* (Gegens. व्यय) P. 5, 1, 47. M. 8, 419. JĀGĀN. 1, 321. 326. MBh. 2,
201. 3, 8599. fg. 14701. R. 2, 1, 19. MRĀKĪH. 33, 4. PAÑKĀT. I. 179. Hit. II,
91. NALOD. 1, 13. 2, 63. 3, 52. — 3) *Wächter im Gynaecium* HALĀJ. im
ÇKDR. — 4) *astrol. das eilfte Haus* Ind. St. 2, 281. 285.

श्राप्यक (wie eben) adj. P. 6, 4, 81, Sch.

श्राप्यज्ञे (von यज्ञ् mit श्रा) adj. verschaffend, während: श्राप्यज्ञी वाज्ञ-
सातमा (उल्लुवलमुसले) RV. 1, 28, 7. von Agni: श्राप्यज्ञे वा मनवे ज्ञानवे-
दसम् 8, 23, 17. Nir. 9, 36.

श्राप्यज्ञिष्ठ (wie eben) adj. superl. am meisten, am besten verschaffend:
यष्टा देवा श्राप्यज्ञिष्ठः स्वस्ति RV. 2, 9, 6. हेतुणामस्याप्यज्ञिष्ठः 10, 2, 1.

श्राप्यञ्चु (wie eben) adj. zu gewinnen suchend: श्राप्यञ्चवः सुमतिं विश्व-
वारा हेतोरि न दिवियज्ञे मन्त्रतमाः RV. 9, 27, 26.

श्रापयत s. u. यम् mit श्रा.

श्रापयतच्छरा (von श्रा° lang + छर् Blatt) f. die Banane, *Musa para-
disiaca* L., TRIK. 2, 4, 26.

श्रापयतन (von यत् mit श्रा) n. Stützpunkt, Ruhepunkt, Sitz, Stelle, Hei-
math: देवानामेवायतने यतते जयति तं संग्रामम् TS. 2, 2, 6, 1. स्व एवास्मा
श्रापयतने धातुव्यं जनयति 10, 5, 5, 2, 3. कृया इव हि सर्पाणामायतनानि
ÇAT. Br. 4, 4, 5, 3. 5, 2, 13. 6, 2, 1, 14. 12, 5, 1, 17. बर्हिधा वा एनमायत-
नात्कोरति 13, 1, 3, 6. 4, 2, 17. 6, 2, 2. AIT. Br. 1, 13. श्रय्योष्टायतनाद्योष्यत
श्रापयतनात् 2, 22. पृथिव्येव यस्यायतनम् BRH. A. R. Up. 3, 9, 10. fgg. 6, 1, 5.
स यथा शकुनिः सूत्रेण प्रवहेद्दिशं दिशं पतिवान्यत्रायतनमालब्धा बन्ध-
नमेवोपश्रयते KHĀND. Up. 6, 8, 2. भूमिर्महदायतनं (eine grosse Strecke Lan-
des) वृषीषि KATHOP. 1, 23. AIT. Up. 2, 1, 3. Nir. 7, 11. नासमीत्य परं स्थानं
पूर्वमायतनं त्यजेत् KHĀND. 32. तदेकायतनं जगाम KUMĀRAS. 7, 5. RAÇH. 3, 36.
रोगायतन M. 6, 77. प्राणस्यायतनानि JĀGĀN. 3, 93. प्राणायतन Suçr. 1, 50,
20. 264, 8. 90, 8. 91, 1. मुखरोगाः पञ्चषष्टिः सप्तस्वायतनेषु 302, 7. Im Be-
sondern gebraucht a) vom Platze des heiligen Feuers, von der Feuer-
stätte: गार्हपत्यायतन KĀTJ. ÇR. 4, 8, 24. AÇV. ÇR. 12, 6. त्रिः प्रसव्यमाय-
तनं परिव्रजन् (BRH.) 4, 2. श्रमिं सकृन्मानं सकृदायतनं दक्षिणा करेयुः 6. —
b) von Heiligthümern AK. 2, 2, 6. श्रायतनानि KHĀND. Up. 7, 24, 2. चैत्ये-
द्यायतनेषु च R. 2, 28, 4. 7. 3, 23, 37. PRAB. 43, 6. तच्च गङ्गावतरणं तया कृ-
तमरिन्दम् । अनेन च भवान्प्राप्नोति धर्मस्यायतनं महत् R. 1, 44, 55. देव्या श्रा-
यतनम् PAÑKĀT. 199, 12. देव्याय° 14. देवा° 10, 4. M. 4, 46. देवता° 8, 248.
N. (BOPP) 25, 7. R. 1, 5, 13. 77, 12. Suçr. 1, 134, 18. पुरुषोत्तमा° PRAB. 33,
5. मन्मथा° INDR. 5, 10. शिवा° VET. 6, 12. मठा° PAÑKĀT. 32, 23. यज्ञा°
R. 1, 12, 35. 4, 37, 33. — c) Scheune (STENZLER) JĀGĀN. 2, 154. — d) bei
den Buddhisten heissen die 5 Sinne und das Manas die sechs innern